दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, मंगलवार 11 मार्च 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 162

अंतर्राष्ट्रीय

सोल और वाशिंगटन के संयुक्त सैन्य अभ्यास से नाराज उत्तर कोरिया ने दागी बैलिस्टिक मिसाइलें

सोल। उत्तर कोरिया ने सोमवार को पीले सागर की ओर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। दक्षिण कोरियाई सेना ने यह दावा किया। यह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस में लौटने के बाद प्योंगयांग का पहला ज्ञात बैलिस्टिक मिसाइल टेस्ट है। संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने कहा कि उन्होंने उत्तरी ह्वांगहे प्रांत के पश्चिमी काउंटी ह्वांगजू के निकट एक क्षेत्र से इस प्रक्षेपण का पता लगाया। जेसीएस ने कहा कि इसमें निकट दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें (सीआरबीएम) या 300 किलोमीटर से कम रेंज की बैलिस्टिक मिसाइलें शामिल हो सकती हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के तहत, उत्तर कोरिया को बैलिस्टिक मिसाइल तकनीक का उपयोग करने वाले किसी भी प्रक्षेपण से प्रतिबंधित किया गया है। जेसीएस ने कहा कि उसने निगरानी को मजबूत किया है और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ घनिष्ठ सहयोग के तहत पूरी तरह से खतरे के लिए तैयार है। दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने सोमवार को 11 दिनों के लिए अपना वार्षिक फ्रीडम शील्ड अभ्यास शुरू किया। उत्तर कोरिया लंबे समय से सहयोगियों के संयुक्त अभ्यास की निंदा करता रहा है और इसे अपने खिलाफ आक्रमण का पूर्वाभ्यास बताता रहा है। इसके जवाब में वह हथियारों का परीक्षण करता रहा है। प्योंगयांग ने नवीनतम संयुक्त अभ्यास की निंदा करते हुए लगातार बयान जारी किए, जिसमें धमकी दी गई कि सोल और वाशिंगटन को उनके खतरनाक उत्तेजक कृत्य के लिए भयानक कीमत चुकानी पड़ेगी। इससे पहले सोमवार को, उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस संयुक्त अभ्यास से सुरक्षा संकट और बढ़ जाएगा। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने आक्रमण अभ्यास को लेकर प्योंयांग के आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने अपने संयुक्त अभ्यास को रक्षात्मक प्रकृति का बताया।

न्यूयॉर्क जा रही एयर इंडिया फ्लाइट में बम की धमकी, बीच रास्ते से वापस मुंबई आया प्लेन

न्यूयॉर्क। मुंबई से न्यूयॉर्क जा रही एअर इंडिया की एक उड़ान में बम रखे होने की सूचना मिलने के बाद इसे मुंबई वापस लाया गया। इस बारे में आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। विमान में 320 से अधिक लोग सवार थे और यह सुरक्षित रूप से मुंबई में उतर गया। सुरक्षा एजेंसियां इसकी जांच कर रही हैं। एअर इंडिया ने एक बयान में कहा,'आज 10 मार्च 2025 को मुंबई-न्यूयॉर्क (जेएफके) उड़ान एआई 119 में संभावित सुरक्षा खतरे का पता चला। आवश्यक प्रोटोकॉल का पालन करने के बाद, विमान में सवार सभी लोगों की सुरक्षा के हित में विमान को वापस मुंबई ले जाया गया। सूत्रों ने बताया कि विमान में बम रखे होने की सूचना मिली थी और इस बाबत विमान के शौचालय में एक पत्र मिला। एक सूत्र ने बताया कि बोइंग 777-300 ईआर विमान में चालक दल के 19 सदस्यों सहित 322 लोग सवार थे। एयर इंडिया के प्रवक्ता इस बारे में बताया कि आज 10 मार्च को मुंबई-न्यूयॉर्क (जेएफके) उड़ान भरने वाले एआई119 में उड़ान के दौरान संभावित सुरक्षा खतरे का पता चला।

प्रधानमंत्री बनते ही ट्रंप पर बरसे मार्क कार्नी, बोले- कनाडा कभी भी अमेरिका का हिस्सा नहीं होगा

ओटावा। कनाडा की लिबरल पार्टी ने मार्क कार्नी को अपना नया नेता चुन लिया है, जिसके साथ ही उन्हें कनाडा का अगला प्रधानमंत्री घोषित किया गया है। पूर्व बैंक ऑफ कनाडा और बैंक ऑफ इंग्लैंड के गवर्नर रह चुके कार्नी ने लिबरल पार्टी के नेतृत्व चुनाव में 85 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल करके प्रभावशाली जीत दर्ज की। प्रधानमंत्री पद की दौड़ जीतने के तुरंत बाद, कार्नी ने अमेरिका और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर तीखे हमले बोले। कनाडा के भावी प्रधानमंत्री के रूप में नामित होने के बाद, मार्क कार्नी ने अमेरिका के साथ कनाडा के संबंधों को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट की। ट्रंप के कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने के सुझाव पर प्रतिक्रिया देते हुए कार्नी ने दृढ़ता से कहा, अमेरिका, कनाडा नहीं है। कनाडा कभी भी, किसी भी रूप में, अमेरिका का हिस्सा नहीं बनेगा। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि अमेरिका, कनाडा के लोगों के संसाधनों, पानी, जमीन और देश पर नियंत्रण करना चाहता है। कार्नी ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका सफल होता है, तो वे कनाडाई जीवनशैली को नष्ट कर देंगे।

तनिष्क शोरूम में लुटेरों ने बोला धावा, दिनदहाड़े 25 करोड़ के गहने कर दिए साफ; सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

भोजपुर । आरएनएस

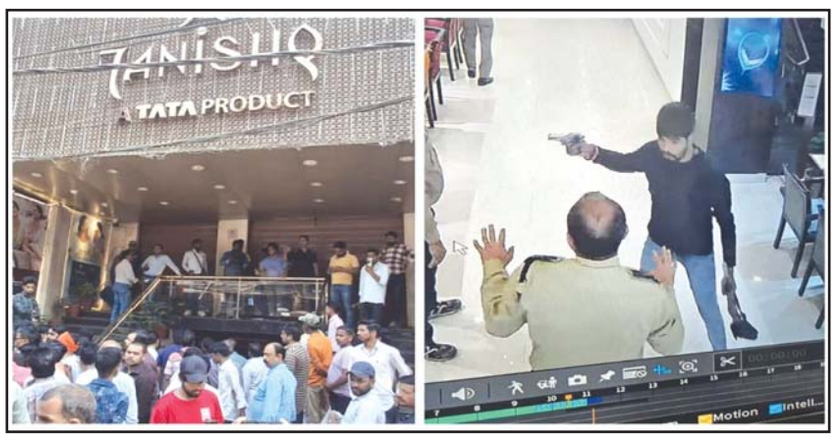

भोजपुर में आज सुबह एक सनसनीखेज वारदात में, हथियारबंद बदमाशों ने एक तनिष्क ज्वेलरी शोरूम को निशाना बनाते हुए करोड़ों रुपये के गहने लूट लिए। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह लूटपाट सुबह करीब 10 बजे हुई जब सात की संख्या में बदमाश अचानक शोरूम में जबरन घुस आए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बदमाशों के शोरूम में प्रवेश करते ही वहां मौजूद ग्राहक और कर्मचारी भयभीत हो गए। रिपोर्ट्स बताती हैं कि बदमाशों ने बंदूक दिखाकर शोरूम में मौजूद लोगों को डराया और उन्हें एक कोने में इक_ा कर दिया। उन्होंने शोरूम के सुरक्षाकर्मियों से हथियार छीन लिए और उन्हें घुटनों पर बैठाकर असहाय कर दिया, जिसके बाद लूटपाट शुरू कर दी गई।

प्रारंभिक अनुमानों के मुताबिक, बदमाशों ने लगभग 25 करोड़ रुपये के सोने और चांदी के गहनों की लूट की है। घटना के बाद, शोरूम कर्मचारियों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया। पुलिस की टीमें तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने जांच के लिए शोरूम को सील कर दिया है। घटनास्थल से सीसीटीवी फुटेज बरामद हुआ है और पुलिस इसकी मदद से अपराधियों की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

शोरूम में तैनात सुरक्षाकर्मियों ने बदमाशों को रोकने की कोशिश की, लेकिन वे हथियारों से लैस बदमाशों के सामने टिक नहीं पाए। बताया जा रहा है कि बदमाशों ने सुरक्षाकर्मियों पर हथियार तान दिए और कुछ ही मिनटों में कीमती गहने लूटकर फरार हो गए। बदमाश सुरक्षाकर्मियों के हथियार भी अपने साथ ले गए।

इस अफरातफरी और खतरे के माहौल के बीच, शोरूम की एक महिला कर्मचारी ने असाधारण साहस का परिचय दिया। सीसीटीवी फुटेज में, जब हथियारबंद बदमाश अन्य कर्मचारियों को एकत्रित कर रहे थे, महिला कर्मचारी को बहादुरी से कुछ गहनों को छुपाते हुए देखा गया। इस महिला कर्मचारी के साहस और कर्तव्यनिष्ठा की सर्वत्र प्रशंसा हो रही है।

पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है और अपराधियों की धरपकड़ के लिए छापेमारी जारी है। अभी तक इस मामले में किसी की गिरफ्तारी की कोई खबर नहीं है।

नोएडा में जीएसटी डिप्टी कमिश्नर ने 14वीं मंजिल से कूदकर की आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

नोएडा । आरएनएस

गाजियाबाद में जीएसटी विभाग के डिप्टी कमिश्नर संजय सिंह ने सोमवार को आत्महत्या कर ली। उन्होंने नोएडा के सेक्टर-75 स्थित एपेक्स एथेना सोसायटी के 14वें फ्लोर से कूदकर अपनी जान दे दी। घटना के तुरंत बाद उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

इस मामले में पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस पूरे मामले में आसपास लगे सीसीटीवी को भी खंगाल रही है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि संजय सिंह लंबे समय से कैंसर की अंतिम स्टेज से जूझ रहे थे। इस बीमारी के कारण वे गहरे तनाव में थे, जिसके चलते उन्होंने यह आत्मघाती कदम उठाया।

परिजनों ने पुलिस को बताया कि उनकी तबीयत लगातार बिगड़ रही थी, जिससे वे मानसिक रूप से परेशान थे। संजय सिंह अपने परिवार के साथ रहते थे। घर में उनकी पत्नी के अलावा दो बेटे भी हैं। एक बेटा नौकरी करता है।

थाना सेक्टर-113 पुलिस के अनुसार, संजय सिंह सेक्टर-75 की एपेक्स एथेना सोसायटी के ई टावर के फ्लैट नंबर 2004 में रहते थे। घटना के बाद पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। सोसायटी में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, संजय सिंह गाजियाबाद में जीएसटी विभाग में डिप्टी कमिश्नर के पद पर कार्यरत थे। उनके परिवार में पत्नी और दो बेटे हैं। एक बेटा गुरुग्राम में नौकरी करता है, जबकि दूसरा बेटा ग्रेटर नोएडा की एक यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहा है।

पुलिस ने बताया कि घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिजनों ने भी किसी तरह की शिकायत दर्ज नहीं कराई है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

कार और ट्रक में जबरदस्त भिड़ंत, 5 लोगों की मौके पर मौत; शवों की नहीं हो पाई पहचान

बस्ती । आरएनएस

उत्तर प्रदेश के बस्ती में सोमवार को एक सडक़ हादसे की जानकारी सामने आई है। यहां तेज रफ्तार ट्रक की कार से जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है, जबकि तीन लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

मामला नगर थाना क्षेत्र के गोटवा टाटा एजेंसी के नेशनल हाईवे का है। बताया जा रहा है कि राजस्थान नंबर (आरजे18जीबी5710) का ट्रक बस्ती से अयोध्या की तरफ जा रहा था। इसी दौरान ट्रक चालक ने लेन बदलने की कोशिश की, तभी अयोध्या से बस्ती की तरफ जा रही कार की उससे जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए और इस हादसे में कार सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

वहीं, हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। इसके बाद उन्होंने मामले की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। साथ ही उन्होंने हादसे में घायल हुए तीन लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। फिलहाल सभी घायलों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। हालांकि, अभी मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है।

तनुश्री दत्ता मामले में नाना पाटेकर व गणेश आचार्य के वकील ने जारी किया ऑफिशियल स्टेटमेंट

मुंबई । आरएनएस

नाना पाटेकर, गणेश आचार्य के वकील पद्मा शेकटकर ने अभिनेत्री तनुश्री दत्ता यौन उत्पीड़न मामले पर एक ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी किया। उन्होंने कहा कि अदालत ने मामले का संज्ञान नहीं लिया है, क्योंकि एफआईआर दर्ज करने में देरी के कारण इसे बैन कर दिया गया।

इस बयान में कहा गया है कि तनुश्री वकील पद्मा शेकटकर के क्लाइंट को निशाना बना रही थीं। बयान में कहा गया, शिकायतकर्ता अभिनेत्री तनुश्री दत्ता द्वारा साल 2010 में ओशिवारा पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई एफआईआर में साल 2008 की एक घटना का उल्लेख है, जो मेरे मुवक्किलों को निशाना बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया एक झूठ है। साल 2018 में किए गए सामी सिद्दीकी के स्ट्रिंग ऑपरेशन को लेकर अदालत ने निष्कर्ष निकाला कि उनके क्लाइंट निर्दोष हैं।

बयान के अनुसार, ओशिवारा पुलिस अधिकारियों ने मामले की जांच की और अंधेरी मजिस्ट्रेट अदालत में रिपोर्ट दायर की। अदालत ने मामले का संज्ञान नहीं लिया क्योंकि एफआईआर दर्ज करने में देरी के कारण लिमिटेशन एक्ट ने इसे बैन कर दिया था।

वकील ने उल्लेख किया, शिकायतकर्ता देरी के लिए माफी आवेदन दाखिल करने में विफल रहे और अदालत ने उनके मामले को खारिज कर दिया। अभिनेत्री के पास पर्याप्त सबूत नहीं थे, जबकि शूटिंग के दौरान सेट पर 100 से ज्यादा लोग मौजूद थे। मेरे मुवक्किल इन झूठे आरोपों के पीछे की वजह को समझने में विफल रहे। उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण की वजह से उनके बहुत सारे प्रशंसक हैं और मौजूदा आरोप सिर्फ मेरे मुवक्किलों की छवि खराब करने के लिए लगाए गए हैं, जिसके पीछे कोई छिपा हुआ मकसद है।

उन्होंने आगे कहा, कुछ महिलाएं कानून का फायदा उठाती हैं और इंडस्ट्री के बड़े नामी लोगों को निशाना बनाती हैं, जो गलत और अनैतिक है, जिससे दिग्गजों का करियर डूब जाता है।

वकील के बयान में यह भी कहा गया है कि उनके मुवक्किलों ने इन 7 सालों में बहुत कुछ झेला है और उन्हें बहुत ज्यादा मानसिक आघात, तनाव और तकलीफों से गुजरना पड़ा है और मैंने इसे व्यक्तिगत रूप से देखा है। मजिस्ट्रेट कोर्ट ने शिकायतकर्ता के मामले को खारिज करते हुए फैसला सुनाया है। यह मामला निश्चित रूप से उन सभी पुरुषों के लिए एक रोशनी की किरण है, जिन्हें 'मी टू' के नाम पर निशाना बनाया जा रहा है।

यूक्रेन : भीषण हमलों में 21 नागरिकों की गई जान, 2025 के सबसे घातक दिनों में

यूक्रेन

यूक्रेन के विभिन्न हिस्सों में शुक्रवार को किए गए हमलों में कम से कम 21 आम नागरिकों के मारे जाने और अनेक अन्य के घायल होने की समाचार है. देश में यूएन मानवाधिकार निगरानी मिशन ने इसे वर्ष 2025 में अब तक के सबसे घातक दिनों में एक क़रार दिया है. रूसी सैन्य बलों ने 24 फ़रवरी 2022 को यूक्रेन में पूर्ण स्तर पर आक्रमण किया था, जिसके बाद से अब तक हिंसक टकराव में हज़ारों लोगों की जान जा चुकी हैं, लाखों विस्थापित हुए हैं और देश मानवीय संकट से जूझ रहा है.

यूएन मानवाधिकार निगरानी मिशन की प्रमुख डैनियल बैल ने शनिवार को जारी अपने वक्तव्य में कहा कि 7 मार्च को हुए इन हमलों में 21 आम नागरिकों के मारे जाने की ख़बर है और 81 लोग घायल हुए हैं.इनमें से अधिकाँश हताहत यूक्रेन के नियंत्रण वाले क्षेत्र में हैं. यूएन मिशन फ़िलहाल हताहतों की संख्या की पुष्टि करने में जुटा है.यूक्रेन के दोनेत्स्क क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोग हताहत हुए हैं. यहाँ डोब्रोपिलिया नगर में रूसी बलों ने अनेक प्रकार के हथियारों से शुक्रवार शाम हमले किए जिनमें 11 लोग मारे गए और 47 घायल हुए हैं. इनमें सात बच्चे भी हैं.यूक्रेन के लिए मानवतावादी समन्वयक माथियास श्माले ने सोशल मीडिया प्लैटफ़ॉर्म पर अपने एक सन्देश में इन हमलों में बच्चों समेत आम नागरिकों के हताहत होने पर गहरा क्षोभ व्यक्त किया है.उन्होंने कहा कि पहले हमले के बाद प्रभावितों की मदद के लिए जो बचावकर्मी वहाँ पहुँचे थे, उन्हें भी बाद में हुए हमलों में निशाना बनाया गया. यूएन के शीर्ष अधिकारी ने यूक्रेन में हिंसा व पीड़ा पर तुरन्त विराम लगाने की पुकार लगाई है.स्थानीय प्रशासन के अनुसार, इन हमलों में कम से कम आठ पाँच-मंज़िला इमारतों, एक प्रशासनिक इमारत व एक ख़रीदारी केन्द्र को भारी नुक़सान पहुँचा है.यूएन मिशन ने ध्यान दिलाया कि इस वर्ष 8 जनवरी और 1 फ़रवरी को किए गए हमलों में भी इतनी ही संख्या में नागरिकों की (21) की जान गई थी.बताया गया है कि पिछले कुछ महीनों में हताहतों के आँकड़े में उतार-चढ़ाव दर्ज किया गया है, मगर 2024 की तुलना में यह अधिक है.24 फ़रवरी 2022 के बाद से अब तक, 12 हज़ार से अधिक यूक्रेनी नागरिकों की जान गई है, जिनमें 673 बच्चे हैं. इस आक्रमण से योरोप में, दूसरे विश्व युद्ध के बाद सबसे बड़ा विस्थापन संकट उपजा, चिकित्सा केन्द्र तबाह हो गए और शिक्षा प्रणाली बर्बाद हो गई.हिंसा में मानवीय सहायताकर्मियों पर भी हमले हुए हैं, और मानवाधिकार उल्लंघन मामलों में उछाल दर्ज किया गया है. इनमें क़ानूनी सुनवाई के बिना, बन्दियों को मौत की सज़ा देना और युद्ध बन्दियों के साथ बुरा बर्ताव किए जाने समेत अन्य हनन मामले हैं.

भगोड़े ललित मोदी को झटका : वानुअतु की नागरिकता रद्द, पीएम जोथम ने पासपोर्ट रद्द करने का दिया आदेश

नई दिल्ली । आरएनएस

भगोड़े कारोबारी ललित मोदी को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। वानुअतु सरकार ने उनकी नागरिकता रद्द कर दी है। वानुअतु के प्रधानमंत्री जोथम नापाट ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए ललित मोदी का पासपोर्ट भी रद्द करने का फैसला लिया है। यह कदम ललित मोदी के खिलाफ उठाए गए अंतरराष्ट्रीय कानूनी कार्रवाई का हिस्सा है, जिन्होंने भारत में कई गंभीर आरोपों का सामना किया है।

ललित मोदी ढ़ढक्करु (इंडियन प्रीमियर लीग) के पूर्व चेयरमैन रहे हैं, लेकिन 2010 में भ्रष्टाचार, मनी लॉन्ड्रिंग और वित्तीय गड़बडिय़ों के आरोपों के चलते उन्हें देश छोडक़र जाना पड़ा था.भारत सरकार कई बार इंटरपोल से रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने की मांग कर चुकी है, लेकिन अब तक ऐसा नहीं हो पाया. वनुआतू की नागरिकता मिलने के बाद ललित मोदी और सुरक्षित हो गए थे, लेकिन अब जब वनुआतू ने भी उन्हें बाहर का रास्ता दिखाने का फैसला कर लिया है, तो यह ललित मोदी के लिए एक बड़ा झटका साबित हो सकता है.

उल्लेखनीय है कि वित्तीय अनियमितताओं, मनी लॉन्ड्रिंग और भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच साल 2010 में ललित मोदी भारत छोडक़र लंदन भाग गए थे। इससे पहले भगोड़े मेहुल चोकसी ने भी एंटीगुआ की नागरिकता हासिल करके कानून से बचने का रास्ता निकाला था।

काशी में जलती चिताओं की राख से खेली गई होली, भगवान शिव और भूत प्रेत भी होते है शामिल

बनारस । आरएनएस

वाराणसी में शिव नगरी काशी के हरिश्चंद्र घाट पर चिता की राख से होली खेली गई। जहां साधु संतों के साथ दुनियाभर के लोग इस त्यौहार का आनंद लेने के लिए काशी पहुंचे हुए है। मान्यता है कि भगवान शिव भक्तों के साथ यहां होली खेलते हैं। मसाने की होली को देखने के लिए 20 देशों से 5 लाख टूरिस्ट भी पहुंचे है। घोड़े और रथ पर सवार होकर संत, नागा संन्यासी 2 किमी दूर हरिश्चंद्र घाट पहुंचे। 2 किमी की यात्रा में जगह-जगह कलाकारों ने शिव तांडव किया। इसी के साथ बनारस में एकादशी यानी रंगभरी एकादशी से ही यह उत्सव शुरू हो जाता है।

बनारस का मणिकर्णिका घाट दुनिया के सबसे बड़े श्मशान घाट में से एक है, मान्यता है कि यहां लगातार शव आते रहते हैं, जिससे चिता की अग्नि ठंडी भी नहीं होती और दाह संस्कार के लिए कोई शव पहुंच जाता है। यहीं पर फाल्गुन शुक्ल द्वादशी को चिताओं की राख यानी भभूत से होली खेलने की परंपरा है। यह भस्म शिव के प्रति शुद्धि और भक्ति का प्रतीक है।

काशी के मसान की होली की प्राचीन कथा

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार माता सती के आत्मदाह के बाद भगवान शिव चिर साधना में चले गए। इससे संसार का संतुलन बिगड़ गया, इधर राक्षस राज तारकासुर का आतंक बढ़ता जा रहा था, जो शिव पुत्र के हाथों ही मारा जा सकता था और इसके लिए शिवजी का साधना से उठना जरूरी था। इसके लिए देवराज इंद्र ने योजना बनाई और उनके आदेश पर कामदेव ने आदि योगी शिव पर बाण से प्रहार कर दिया, इससे शिवजी की साधना भंग होई। लेकिन उनको क्रोध आ गया, जिससे त्रिनेत्र का तीसरा नेत्र खुल गया और कामदेव राख के ढेर में बदल गए। बाद में देवताओं की प्रार्थना और सृष्टि में कामदेव के महत्व को देखते हुए उनको जीवन दान दिया लेकिन शरीर रहित यानी अनंग के रूप में, कालांतर में माता सती ने माता पार्वती के रूप में अवतार लिया और अपने समय पर फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी यानी महाशिवरात्रि पर शिव पार्वती ने विवाह किया।

इसके बाद फाल्गुन शुक्ल एकादशी यानी रंगभरी एकादशी पर शिवजी माता पार्वती को पहली बार काशी लेकर आए थे। इस खुशी में काशी नगरी वालों ने शिव-पार्वती के साथ रंगों की होली खेली, लेकिन शिवजी के गण (भूत-प्रेत, अघोरी, नागा साधु, इत्यादि) इस होली में शामिल नहीं हो पाए। इस पर गणों के आग्रह पर भगवान शिव ने अगले दिन यानी फाल्गुन शुक्ल द्वादशी को मणिकर्णिका घाट पर उनके साथ जली हुई चिता की राख से होली खेली, खुद पर भस्म मली और गणों पर भस्म उड़ाया। इसके बाद यहां हर साल चिता भस्म से होली खेली जाने लगी, मान्यता है कि शिवजी रंगभरनी एकादशी के अगले दिन मणिकर्णिका घाट पर अदृश्य रूप में आते हैं और अपने गणों के साथ भस्म की होली खेलते हैं।

बनारस में चिता भस्म की होली की परंपरा

बनारस में चिता भस्म की होली की परंपरा के अनुसार रंगभरनी एकादशी के दिन शिवजी और माता पार्वती की शोभायात्रा निकाली जाती है यानी शिवजी पार्वती के स्वरूप को पालकी में बिठाकर पूरे शहर में घुमाया जाता है और भक्त रंग उड़ाते हैं। इसके अगले दिन सभी भगवान शिव के ही रूप बाबा विश्वनाथ से आज्ञा पाकर और उनकी पूजा कर मणिकर्णिका घाट पर पहुंच जाते हैं और होली खेलते हैं। इससे पहले बाबा महाश्मशान नाथ और माता मशान काली की मध्याह्न आरती (अनुष्ठान अर्पण) की जाती है। बनारस की मसान की होली भगवान शिव के गण खेलते हैं, जिनमें अघोरी और नागा साधु शामिल होते हैं। मान्यता है कि इस दिन भूत-प्रेत, यक्ष गंधर्व भी इस घाट पर मसान की होली खेलने आते हैं लेकिन हम उन्हें देख नहीं सकते। इसके साथ ही भगवान शिव भी अदृश्य रूप से यहां मौजूद रहते हैं।